



Independence Day Celebrations at IIM Raipur: A Day of Patriotism and Unity

The Indian Institute of Management (IIM) Raipur successfully culminated its grand Independence Day event on August 15, 2023. The event was a resounding celebration of national pride, unity, and India's rich cultural heritage.

The event commenced with the prestigious Flag Hoisting ceremony, led by the esteemed Director of IIM Raipur, Prof. Ram Kumar Kakani. This symbolic gesture served as a poignant reminder of the sacrifices made by countless individuals in the pursuit of India's freedom. The resonating notes of the National Anthem brought attendees together in a collective tribute to the nation's spirit.

Prof. Ram Kumar Kakani then addressed the gathering, reflecting on the significance of Independence Day and its enduring relevance in the modern world. His words resonated deeply, inspiring the audience and fostering a renewed sense of patriotism. Prof. Ram Kumar Kakani shared his enthusiasm for the celebration, stating, "Independence Day goes beyond being a date on the calendar; it serves as a tribute to the monumental sacrifices of our forefathers. It's a celebration of cherished freedom and the commitment to uphold the values enshrined in our Constitution. Commemorating this day with our IIM Raipur family has been an honor."

The festivities continued with a spirited and heartfelt patriotic song, performed by the talented students of IIM Raipur. A literary flair was added to the event as the students presented a moving poetry recitation segment. Through poignant verses, they paid homage to the struggles, dreams, and aspirations of the nation's citizens throughout its history.

As part of the event, IIM Raipur also expressed gratitude and recognition to its students who had participated in Munshi Premchand Jayanti by distributing well-deserved appreciation certificates. This gesture applauded the efforts of students who contributed to preserving India's literary heritage.

The event was a poignant reminder of India's journey to independence and the continued commitment to upholding the principles that shape the nation's identity.



भा.प्र.सं. रायपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह: एक राष्ट्रभक्ति और एकता का दिन

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने सफलतापूर्वक 15 अगस्त, 2023 को अपने भव्य स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को समाप्त किया। यह कार्यक्रम एक राष्ट्रीय गर्व, एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का एक गूंजदार उत्सव था।

इस आयोजन की शुरुआत प्रतिष्ठित ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जिसे भा.प्र.सं. रायपुर के माननीय निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने अगुआ किया। यह प्रतीकात्मक प्रस्तावना बनकर खड़ी हुई, जिससे अनगिनत व्यक्तियों द्वारा की गई कई बलिदानों की यात्रा में भारत की स्वतंत्रता की पुरस्कृत याद दिलाई गई। राष्ट्रगान की गूंजती धुनों ने उपस्थित लोगों को राष्ट्र की भावना के प्रति सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक साथ ला दिया।

फिर प्रो. राम कुमार काकानी ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर विचार करते हुए और आधुनिक दुनिया में उसके स्थायी महत्व पर सभा को संबोधित किया, । उनके शब्द गहराई से गूंजे, प्रेक्षकों को प्रेरित किया और एक नये पुनरुत्थान के संदर्भ में राष्ट्रभक्ति की एक नई भावना को प्रोत्साहित किया। प्रो. राम कुमार काकानी ने अपनी उत्साह भरी भावना यह कहते हुए साझा की कि, "स्वतंत्रता दिवस केवल कैलेंडर पर एक दिन से अधिक है; यह हमारे पूर्वजों के महान बलिदान की श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है। यह प्रिय स्वतंत्रता की उत्कृष्टता एवं हमारे संविधान में निहित मूल्यों के पालन के प्रति समर्पण की पुष्टि का जश्न है। हमारे भा.प्र.सं. रायपुर परिवार के साथ इस दिन को मनाना एक सम्मान की बात है।"

उत्सव उत्साहपूर्ण और दिल से भावुक राष्ट्रीय गीत के साथ आगे बढ़ा, जिसे आईआईएम रायपुर के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रस्तुत किया। एक साहित्यिक रंग भी कार्यक्रम में जोड़ा गया, जब छात्रों ने एक भावनात्मक कविता पाठक्रम प्रस्तुत किया। तथ्यों में दुखद छंदों के माध्यम से, उन्होंने राष्ट्र के नागरिकों की संघर्षों, सपनों और आकांक्षाओं को याद किया, जो उसके इतिहास के दौरान हुए हैं।

इस कार्यक्रम का हिस्सा मानते हुए, भा.प्र.सं. रायपुर ने मुंशी प्रेमचंद जयंती में भाग लेने वाले अपने छात्रों के प्रति समर्पित प्रशंसा प्रमाणपत्र वितरित करके कृतज्ञता और मान्यता व्यक्त की, । इस क्रिया से उन छात्रों की मेहनत की सराहना की गई जिन्होंने भारत की साहित्यिक धरोहर को संरक्षण देने में योगदान किया।

यह आयोजन भारत की स्वतंत्रता की यात्रा और देश की पहचान को आकार देने वाले सिद्धांतों को बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता की एक मार्मिक याद दिलाता था।

